UNIVERSITY NEWS 05 JULY 2026

AMAR UJALA

रील्स की दौड़, मोबाइल की दुनिया से निकलें

अमर उजाला जीवांजलि
विचारों से बदलाव तक

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। तेज रफ्तार जिंदगी, घंटों मोबाइल स्क्रीन पर बीतता समय, रील्स की अंतहीन दुनिया और इंटरनेट पर पलभर में सब कुछ पा लेने की आदत... इन सबने नई पीढ़ी की एकाग्रता ही नहीं, रिश्तों की गहराई भी कमजोर कर दिया है। लोग अपनों के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं, इसलिए रिश्ते जल्दी टूट रहे हैं और शादियां भी पहले जैसी स्थिर नहीं रहीं। यह संदेश कथावाचिका व प्रेरक वक्ता जया किशोरी ने शनिवार को अमर उजाला जीवांजलि कार्यक्रम में दिया। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में खचाखच भरे श्रोताओं के बीच उन्होंने आधुनिक जीवन की चुनौतियों और उनसे बाहर निकलने के रास्तों पर खुलकर संवाद किया।

जया किशोरी ने कहा कि इंटरनेट पर रील्स और छोटे वीडियो की बाढ़ ने लोगों का ध्यान एक जगह टिकने नहीं दिया है। लगातार स्क्रीन पर समय बिताने से अटेंशन स्पैन घट रहा है, जिसका सीधा असर व्यक्तिगत जीवन और रिश्तों पर पड़ रहा है। नई पीढ़ी किसी एक रिश्ते में लंबे समय तक टिक नहीं पा रही है, इसलिए रिश्ते और शादियां जल्दी टूटने लगी हैं। परिवार और अपनों को समय देना आज पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित अमर उजाला जीवांजलि कार्यक्रम में प्रेरक वक्ता जया किशोरी को सुनते लोग। -संवाद

आयोजन में लोगों ने किए प्रश्न। -संवाद

■ **किताबें, नींद और प्रकृति से बनेगा संतुलित जीवन :** उन्होंने कहा कि किताबें पढ़ने की आदत व्यक्ति को बेहतर नेतृत्व की ओर ले जाती है। साथ ही सात से आठ घंटे की अच्छी नींद, प्रकृति के अनुरूप दिनचर्या और कभी-कभी कुछ न करना भी मानसिक संतुलन के लिए जरूरी है। उनका कहना था कि शांत पानी में ही प्रतिबिंब दिखाई देता है, इसलिए मन को भी शांत रखना आवश्यक है।

भागदौड़ छोड़ें, ठहरना सीखें

जया किशोरी ने कहा कि आज लोग हर काम जल्दबाजी में करना चाहते हैं। शादी जैसे जीवनभर के रिश्ते में बंधने के समय भी लोग पंडित से मंत्र जल्दी समाप्त करने का आग्रह करते हैं। यही अधीरता रिश्तों में भी दिखाई देती है। रुक जाना और ठहरकर सोचना, दोनों अलग बातें हैं। जीवन को सही दिशा तभी मिलेगी, जब व्यक्ति खुद के लिए समय निकाले और प्रकृति के करीब रहे। जीवन के दुख और परेशानियों से भागने के बजाय उन्हें स्वीकार करना चाहिए। समस्या की सही पहचान होगी, तभी उसका समाधान निकलेगा। यह तभी संभव है, जब व्यक्ति शांति से विचार करे, न कि भागदौड़ में निर्णय ले।

■ **एआई उपयोगी है:** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर उन्होंने कहा कि यह जीवन को आसान बनाने वाला माध्यम है लेकिन इसका दुरुपयोग बेहद खतरनाक हो सकता है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि यदि एआई के जरिये किसी बच्चे का फर्जी वीडियो बनाकर वायरल किया जाए और बच्चा उसे फेक बताए, तो उसकी बात पर भरोसा करें और उसके साथ मजबूती से खड़े रहें।

श्रीराम मंदिर और स्त्री सम्मान पर भी रखी बात

प्रभु श्रीराम मंदिर में चढ़ावे में कथित चोरी के सवाल पर जया किशोरी ने दुख जताते हुए कहा कि- अब यदि लोग भगवान को भी धोखा देने लगे हैं तो यह बेहद चिंताजनक है। वहीं, महिलाओं के सम्मान पर उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में स्त्री को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। हमारे यहां तो सीताराम, गौरी शंकर, लक्ष्मी नारायण कहने की परंपरा है। विडंबना है कि हमने महिलाओं का एंपावर करना तो शुरू कर दिया है लेकिन एक सक्षम, सफल और एंपावर्ड स्त्री के साथ कैसे समभाव और सम्मान से रहें, ये जीवन में उतारना अभी बाकी है। महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ समाज को उनके प्रति सम्मान और समभाव का व्यवहार भी सीखना होगा।

वीडियो के लिए स्कैन करें।

हमारे सहयोगी

■ को-पावर्ड बाय पार्टनर: गोल्डी ग्रुप, क्यू-लाइन बॉयोटेक ■ ड्रिवन बाय पार्टनर: महिंद्रा इंवी ■ हेल्थ पार्टनर: सैन्योर हॉस्पिटल ■ रियल एस्टेट पार्टनर: शालीमार कॉर्प लिमिटेड ■ एसोसिएट पार्टनर: जीएसआर बिल्डर्स एंड डेवलपर्स, न्यू वे सीनियर सेकेंडरी स्कूल, इंदिरा गैस एंड पेट्रोलियम लिमिटेड, टू पॉवर लिमिटेड, दर्श न्यूरो सेंटर, एन.टी.पी.सी, एस. एन. यूनानी इनफर्टिलिटी क्लिनिक, ओइकोश्रीम् इन्फ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड। ■ एजुकेशन एंड एम्पावरमेंट पार्टनर: उम्मीद संस्था।

AMAR UJALA

15 मिनट की देरी पर आधा अवकाश

संवाद न्यूज एजेंसी

लविवि में अनुशासन का सख्त फॉर्मूला

लखनऊ। लखनऊ विवि में अब कर्मचारियों की लेटलतीफी महंगी पड़ेगी। समयपालन सुनिश्चित करने के लिए विवि प्रशासन ने ऐसा सख्त फॉर्मूला लागू किया है, जिसके तहत 15 मिनट देर से आने या समय से पहले कार्यालय छोड़ने पर आधा अवकाश माना जाएगा। एक माह में दो बार से अधिक लेटलतीफी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के साथ अवकाश भी काटा जाएगा।

कुलपति प्रो. जेपी सैनी के निर्देश पर कुलसचिव कार्यालय ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, प्रत्येक दो बार देर से आने या समय से पहले जाने पर एक आकस्मिक अथवा अर्जित अवकाश काट लिया जाएगा। कंप्यूटर सेंटर के इंचार्ज को बायोमीट्रिक मशीन में 15 मिनट की देरी या समय से पहले जाने की स्थिति में उपस्थिति दर्ज न करने के निर्देश दिए गए हैं। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है।

अनुशासन व्यवस्था की समीक्षा के तहत कुलसचिव कार्यालय ने अप्रैल से जून 2026 तक का तीन माह का बायोमीट्रिक विवरण भी मांगा है। संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, निदेशकों, प्रभारियों और छात्रावास अधीक्षकों को यह रिकॉर्ड दो कार्य दिवस के भीतर कुलपति कार्यालय में उपलब्ध कराना होगा। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने कहा कि लापरवाही और लेटलतीफी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बायोमीट्रिक प्रणाली के माध्यम से परिसर में पारदर्शिता और अनुशासन सुनिश्चित किया जाएगा।

NBT

LU : 15 मिनट की देरी पर कटेगा आधा अवकाश

■ **NBT न्यूज,लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय में कर्मचारियों की लेटलतीफी पर कुलपति ने सख्त नाराजगी जताई है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी के निर्देश पर कुलसचिव कार्यालय ने परिसर में अनुशासन और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए सख्त आदेश जारी किया है। नए नियमों के तहत निर्धारित समय से 15 मिनट विलंब से आने या 15 मिनट पहले कार्यालय छोड़ने पर कर्मचारियों का आधा अवकाश माना जाएगा।

महीने में दो बार ऐसा करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी और एक दिन का आकस्मिक (CL) या अर्जित अवकाश (EL) काट लिया जाएगा। कंप्यूटर सेंटर को बायोमीट्रिक मशीन में इसके अनुसार बदलाव के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, एक अन्य आदेश के तहत समस्त विभागों और छात्रावासों से कर्मचारियों की पिछले 3 महीनों (अप्रैल से जून 2026) की बायोमीट्रिक उपस्थिति की रिपोर्ट 2 कार्य दिवसों के भीतर तलब की गई है।

DAINIK JAGRAN

देर से आने वालों का मांगा रिकार्ड

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में विभिन्न विभागों व कार्यालयों में कार्यरत कर्मियों को देर से आने पर दंडित करने की तैयारी है। इस संबंध में कुलसचिव ने सभी संकाय अध्यक्ष, विभाग अध्यक्ष, निदेशक सहित अन्य अधिकारियों को पत्र भेजकर देर से आने वाले कर्मचारियों की दो दिनों में अप्रैल से जून तक बायोमीट्रिक उपस्थिति मांगी है। कुलसचिव के अनुसार कुछ कर्मचारी विलंब से आते हैं और समय से पहले ही चले जाते हैं। इनकी उपस्थिति का रिकार्ड मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी। (वि.)

AMRIT VICHAR

कर्मचारियों की लापरवाही पर लविवि प्रशासन सख्त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कर्मचारियों की लेटलतीफी और समय से पहले कार्यालय छोड़ने पर कटेगी लीव
- बायोमेट्रिक उपस्थिति की विगत तीन माह की रिपोर्ट कुलपति ने किया तलब

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने शिक्षकों, कर्मचारियों की लेटलतीफी और लापरवाही पर कड़ा निर्देश जारी किया है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, कार्यालयों और छात्रावासों में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा निर्धारित कार्यालय समय का अनुपालन न करने व लगातार हो रही लेटलतीफी की शिकायतों को गंभीरता से लिया है। नए आदेश के अनुसार, निर्धारित समय से 15 मिनट विलम्ब से आने अथवा निर्धारित समय से 15 मिनट पहले कार्यालय छोड़ जाने पर संबंधित कर्मचारी का एक अर्द्ध अवकाश माना जाएगा।

यदि कोई कर्मचारी एक माह में अधिकतम 2 बार कार्यालय विलम्ब से आता है अथवा समय से पहले जाता है, तो उसके विरुद्ध दंडात्मक व अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक 2 बार देर से आने अथवा समय से पूर्व जाने पर संबंधित कर्मचारी के खाते से एक दिवस का आकस्मिक या अर्जित अवकाश काट लिया जाएगा। कुलपति के आदेश के अनुपालन में समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, समन्वयक, निदेशक और इंचार्ज को उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

सुरक्षा और पारदर्शिता होगी और मजबूत

■ सुरक्षा और पारदर्शिता को और मजबूत करते हुए कुलसचिव कार्यालय ने समस्त संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, निदेशकों, प्रभारियों और छात्रावासों के अधीक्षकों से उनके यहां कार्यरत समस्त कर्मचारियों की विगत 3 माह की बायोमेट्रिक उपस्थिति का पूरा विवरण मांगा है।

HINDUSTAN

एलयू: 15 मिनट देर से आने या जाने पर हाफ लीव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने कर्मचारियों की समयबद्धता और अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए सख्त व्यवस्था लागू कर दी है। कुलपति प्रोफेसर जय प्रकाश सैनी के निर्देश पर जारी आदेश के अनुसार अब निर्धारित समय से 15 मिनट देर से आने या 15 मिनट पहले कार्यालय छोड़ने पर संबंधित कर्मचारी का आधा अवकाश माना जाएगा। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में समयबद्धता, पारदर्शिता और अनुशासन से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

I NEXT

देर से आने वाले कर्मियों का मांगा रिकार्ड

एलयू में विभिन्न विभागों व कार्यालयों में कार्यरत कर्मियों को देर से आने पर दंडित करने की तैयारी है. कुलसचिव ने सभी संकाय अध्यक्ष, विभाग अध्यक्ष, निदेशक सहित अन्य अधिकारियों को पत्र भेजकर देर से आने वाले कर्मचारियों की दो दिनों में अप्रैल से जून तक बायोमीट्रिक उपस्थिति मांगी है. इनकी उपस्थिति का रिकार्ड मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी.

VOICE OF LUCKNOW

लविवि में समय से पहले कार्यालय छोड़ने पर कटेगी लीव

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने परिसर में कार्यबल की कार्यकुशलता, अनुशासन और समयबद्धता को सुनिश्चित करने के लिए एक अत्यंत बड़ा और कड़ा प्रशासनिक कदम उठाया है। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों, कार्यालयों और छात्रावासों में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा निर्धारित कार्यालय समय का अनुपालन न करने तथा लगातार हो रही लेटलतीफी की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, कुलसचिव कार्यालय द्वारा सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। प्रारंभ यह देखा गया है कि कर्मचारी निर्धारित कार्यालय समय का अनुपालन न करते हुए विलम्ब से आते हैं एवं समय से पूर्व कार्यालय छोड़ कर चले जाते हैं। नए आदेश के अनुसार, निर्धारित समय से 15 मिनट विलम्ब से आने अथवा निर्धारित समय से 15 मिनट पहले कार्यालय छोड़ जाने पर संबंधित कर्मचारी का एक अर्द्ध अवकाश (हाफ लीव) माना जाएगा। यदि कोई कर्मचारी एक माह में अधिकतम 02 बार कार्यालय विलम्ब से आता है अथवा समय से पहले जाता है, तो उसके विरुद्ध दंडात्मक व अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक 02 बार देर से आने अथवा समय से पूर्व जाने पर संबंधित कर्मचारी के खाते से एक दिवस का आकस्मिक या अर्जित अवकाश काट लिया जाएगा। कुलपति के आदेश के अनुपालन में समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, समन्वयक, निदेशक और इंचार्ज को आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। सभी विभागाध्यक्षों को व्यक्तिगत रूप से स्ववं के स्तर से इसका परीक्षण कर आकस्मिक/अर्जित अवकाश का समायोजन करते हुए कुलसचिव को सूचित करना होगा।

TOI

21 seekers for each LU LLB seat

Lucknow: The competition for undergraduate admissions is high this year, according to data released by the Lucknow University for the 2026-27 session. The five-year integrated LLB programme has emerged as most competitive course in terms of applicants per seat, followed by BBA. The integrated LLB programme received over 7,000 applications this year, which equates to around 21 applicants per seat, considering 300 seats plus 30 additional seats for NRIs.

BBA has around 6,000 applications for about 450 seats this year, resulting in nearly 17 applicants per seat. Last year, around 5,000 applications were received.

Lucknow University spokesperson Mukul Srivastava said, "The data shows number of applications has increased in several programmes."

I NEXT

अब हॉस्टलर स्टूडेंट्स की हेल्थ को ट्रैक करेगा एलयू

एलयू के हॉस्टल में रहने वाले स्टूडेंट्स का बनाया जाएगा हेल्थ कार्ड

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(4 July): लखनऊ यूनिवर्सिटी में नए एकेडमिक सेशन से हॉस्टल में रहने वाले स्टूडेंट्स की मेंटल और फिजिकल हेल्थ का ख्याल रखने और रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए एक नई व्यवस्था शुरू की जाएगी, जिसके अंतर्गत हॉस्टलर स्टूडेंट्स का एक हेल्थ कार्ड बनाया जाएगा, जिसके थ्रू स्टूडेंट्स की हेल्थ को ट्रैक किया जाएगा. डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. अमिता कर्नीजिया ने बताया कि अलग-अलग शहरों से आने वाले स्टूडेंट्स हॉस्टल में रहते हैं और उनका ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है, जिसको ध्यान में रखते हुए इस एकेडमिक सेशन से हॉस्टलर्स के लिए एक हेल्थ कार्ड का सिस्टम शुरू किया जाएगा, जिसमें स्टूडेंट्स की एलर्जी, पहले से होने वाली बीमारियां अगर कोई मेडिकल हिस्ट्री है तो और लाइफस्टाइल रिलेटेड आदतों का भी रिकॉर्ड रखा जाएगा. इस व्यवस्थित निगरानी से हेल्थ से रिलेटेड सभी प्रॉब्लम्स की पहचान संभव होगी और टाइम पर सही इलाज दिया जा सकेगा.

शिकायत पोर्टल किया जा रहा डेवलप

हॉस्टल्स में कई बार स्टूडेंट्स को खाने, रहने और जरूरतों से संबंधित परेशानियां होती हैं, जिसके लिए स्टूडेंट्स शिकायत भी करते हैं लेकिन कई बार निस्तारण नहीं भी हो पाता है या स्टूडेंट्स सेटिस्फाइड नहीं होते हैं, ऐसे में स्टूडेंट्स की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हॉस्टलर्स के लिए एक शिकायत पोर्टल भी डेवलप किया जा रहा है, जहां पर वो डायरेक्ट अपनी प्रॉब्लम्स रख सकते हैं और डीएसडब्ल्यू इन समस्याओं का संज्ञान लेंगी.

काउंसलर्स किए जाएंगे तैनात

स्टूडेंट्स के बीच में जिस तरह से मेंटल हेल्थ इश्यूज बढ़ रहे हैं और करियर रिलेटेड इश्यूज को लेकर जो एंग्जियसनेस रहती है उसी को मॉनीटर करने और प्रॉब्लम्स का सॉल्यूशन देने के लिए यूनिवर्सिटी के 18 हॉस्टल्स में 60 साइकोलॉजी काउंसलर्स तैनात किए जाएंगे, जिसमें से कई सारे स्टूडेंट्स साइकोलॉजी डिपार्टमेंट के एल्युमिनाईज ही हैं. ये काउंसलर्स स्टूडेंट्स की मेंटल हेल्थ का ध्यान रखेंगे, कम्यूनिकेट करेंगे और जरूरत पड़ने पर काउंसिलिंग भी करेंगे.